मध्यप्रदेश शासन
खनिज साधन विभाग

विभागीय प्रशासकीय प्रतिवेदन
वर्ष 2007–2008

संचालनालय, भौमिकी तथा खनिकर्म, मध्यप्रदेश, भोपाल
फरवरी 2008

अनुबंध–9

(पैरा 7.17.3)

विभागीय प्रशासकीय प्रतिवेदन
वर्ष 2007–2008 (विवेचना अवधि)

मध्यप्रदेश शासन

विभाग	खनिज साधन विभाग
प्रभारी मंत्री	माननीय श्री लक्ष्मीकांत शर्मा

मंत्रालय

सचिव	श्री सेवाराम
अपर सचिव	श्री एस.के. मंडल
अवर सचिव	श्री डी.एस. परिहार
पदेन अवर सचिव	श्री एस0के0 शिवानी

विभागाध्यक्ष

संचालक	श्री आर.के. शर्मा

विषय–सूची

भाग–एक

		पृष्ठ क्र.
1.1	विभागीय संरचना, अधीनस्थ कार्यालय,	1
1.2	विभाग का दायित्व एवं विभाग से संबंधित सामान्य जानकारी	2–3
1.3	विभाग से संबंधित सामान्य एवं प्रमुख विशेषताएं	4
1.4	महत्वपूर्ण सांख्यिकीय जानकारी	4

भाग–दो

2.1	बजट विहंगावलोकन, प्रावधान, लक्ष्य, व्यय (योजनावार)	5–6

भाग–तीन

3.1	(अ)	राज्य योजनायें	7–9
3.2	(ब)	केन्द्र प्रवर्तित योजनायें	7–9
3.3	(स)	विश्व बैंक की सहायता से चलाई जाने वाली योजनाये	7–9
3.4	(द)	विदेशी सहायता प्राप्त योजनायें/परियोजनायें	7–9
3.5	(ई)	अन्य योजनायें	7–9

भाग–चार

4.1	सामान्य प्रशासनिक विषय	10

भाग–पांच

5.1	अभिनव योजना	11

भाग–छः

6.1	विभाग द्वारा निकाले जाने वाले प्रकाशन	12

भाग–सात

7.1	मध्यप्रदेश राज्य खनिज निगम से संबंधित जानकारी	13–15

भाग–आठ

8.1	सारांश	16

भाग — एक

खनिज सीमित प्राकृतिक संसाधन है। यह प्रदेश के विकास का आर्थिक आधार भी है। खनिजों का संरक्षण, अन्वेषण तथा दोहन, इसके सतत् विकास के लिये आवश्यक है। इन दायित्वों का निर्वहन खनिज साधन विभाग पूर्ण सजगता से संपादित कर रहा है। जिससे प्रदेश के खनिज राजकोषिय आय में सतत् रूप से वृद्धि तथा नवीन खनिज भण्डारों की खोज का मार्ग प्रशस्त हो रहा है।

1.1 विभागीय संरचना, अधीनस्थ कार्यालय

खनिज साधन विभाग के अंतर्गत संचालनालय भौमिकी तथा खनिकर्म मध्यप्रदेश तथा सार्वजनिक उपक्रम के रूप में मध्यप्रदेश राज्य खनिज निगम कार्यरत है।

संचालनालय भौमिकी तथा खनिकर्म का मुख्यालय भोपाल में स्थापित है। इसके अधीन चार क्षेत्रीय कार्यालय, जबलपुर, इन्दौर, रीवा, ग्वालियर तथा एक हीरा कार्यालय पन्ना में स्थापित है। समस्त 48 जिलों में कलेक्टर के निर्देशन में खनि शाखा कार्यरत है। क्षेत्रीय कार्यालय जबलपुर में विभागीय रासायनिक प्रयोगशाला कार्यरत है। मुख्य कार्यालय भोपाल में फोटो भौमिकी प्रयोगशाला, प्रस्तर प्रयोगशाला स्थित हैं।

मध्यप्रदेश राज्य खनिज निगम का मुख्यालय भोपाल में स्थित है। इसके अधीनस्थ 13 कार्यालय जबलपुर, कटनी, मण्डला, सागर, टीकमगढ़, होशंगाबाद, हरदा, सतना, धार, झाबुआ, मुरैना, शिवपुरी, डबरा (ग्वालियर) में स्थित है।

विभाग व्दारा खनिज अन्वेषण एवं खनिज प्रशासन दोनो ही कार्य किये जाते हैं। खनिज अन्वेषण कार्य हेतु तकनीकी अमला अधीक्षण भौमिकीविद्, उप संचालक (तकनीकी) एवं सहायक भौमिकीविद् के राजपत्रित श्रेणी में तथा वेधन कार्य एवं भू–आकृति सर्वे हेतु राजपत्रित एवं अराजपत्रित अमला स्वीकृत है।

खनिज प्रशासन कार्य हेतु संयुक्त संचालक, उप संचालक (खनिज प्रशासन), खनि अधिकारी, सहायक खनि अधिकारी एवं खनि निरीक्षक के पद स्वीकृत हैं। इसके साथ–साथ उक्त कार्यो के निष्पादन में सहयोग हेतु अन्य अमला यथा सहायक मानचित्रकार, सर्वेयर, लिपिकीय तथा चतुर्थ श्रेणी अमला भी स्वीकृत है। खनिज अन्वेषण एवं खनिज प्रशासन कार्य हेतु विभाग में स्वीकृत कुल 697 पदों में से दिनांक 01.01.2008 की स्थिति में 551 पद भरे एवं 146 पद रिक्त हैं । स्वीकृत अमले तथा पदस्थापना विवरण परिशिष्ट–''क'' में दर्शित है।

1.2 विभाग का दायित्व एवं विभाग से संबंधित सामान्य जानकारी

खनिज साधन विभाग के अंतर्गत कार्यरत संचालनालय भौमिकी तथा खनिकर्म द्वारा निम्नानुसार दायित्वों का निर्वहन किया जा रहा है।

1. **खनिज अन्वेषण**
2. **खनिज प्रशासन**

खनिज अन्वेषण

खनिजों की खोज के कार्य में विभागीय तकनीकी अमला कार्यरत है। इस अन्वेषण कार्य में रिकोनेसेन्स परमिट के माध्यम से बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भी प्रदेश में कार्यरत है। विभागीय अन्वेषण कार्य की रूप रेखा राज्य भूवैज्ञानिक कार्यक्रम मंडल द्वारा निर्धारित की जाती है। इस मंडल में राज्य में कार्यरत केन्द्रीय शासन की अन्वेषण एजेन्सियां, जैसे भारतीय भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण, भारतीय खान ब्यूरों, कोल इंडिया लिमिटेड, खनिज अन्वेषण निगम तथा अन्य शासकीय विभाग तथा उपक्रम सदस्य होते है। इसके अन्तर्गत 27 सितम्बर 2007 को सचिव खनिज साधन विभाग म0प्र0 एवं अध्यक्ष राज्य भू–वैज्ञानिक कार्यक्रम मण्डल की अध्यक्षता में 41वीं बैठक सम्पादित की जाकर संचालनालय भौमिकी तथा खनिकर्म मध्यप्रदेश के अलावा अन्य केन्द्रीय उपक्रमों के द्वारा वर्ष 2007–08 में किये जाने वाले विभिन्न खनिजों के सर्वेक्षण एव पूर्वेक्षण कार्य से संबंधित क्षेत्रीय कार्यक्रम को एकमतेन समस्त सदस्यों द्वारा अनुमोदित किया गया। राज्य विभाजन के पश्चात वर्ष 2007 तक विभाग व्दारा किये गये अन्वेषण कार्य एवं उपलब्धियों का विवरण संलग्न परिशिष्ट–''ख''–एक में दर्शित है।

खनिज प्रशासन

प्रदेश में स्वीकृत खनि रियायतों का नियमन, नवीन आवेदनों का निराकरण, तथा खनिजों के नियमानुसार दोहन पर नियंत्रण का दायित्व खनिज प्रशासन का होता है।

मध्यप्रदेश में दिनांक 01.04.2007 की स्थिति में 1195 खनिपट्टे, 26 पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति, 21 रिकोनेसेंस परमिट, 4 पेट्रोलियम एक्सप्लोरेशन लाइसेंस (कोल बेड मिथेन भण्डारों के अन्वेषण हेतु) एवं 4020 उत्खनिपट्टे एवं घोष विक्रय की 2259 खदाने विद्यमान हैं। विभाग में सूचना के अधिकार तथा सिटीजन चार्टर लागू किया गया है। विभाग द्वारा जिन खनिज भण्डारों का अन्वेषण किया जाता है उससे सम्बधित प्रतिवेदन को निर्धारित शुल्क जमा करने पर जन सामान्य को उपलब्ध कराया जाता है। सिटीजन चार्टर के अन्तर्गत खनि रियायतों हेतु प्राप्त हुए आवेदन पत्रों का निराकरण समयावधि निर्धारित कर किया जाता है। इस हेतु जिला प्रशासन को निर्देश जारी किए जा चुके है।

वर्ष 2006–2007 में खनिजों के अवैध उत्खनन के 545 प्रकरण एवं अवैध परिवहन के 5103 प्रकरण पंजीबद्ध किए जाकर अवैध उत्खनन से 8.04 लाख रू0 तथा अवैध परिवहन से 289.18 लाख रुपए के अर्थदण्ड की वसूली की गई है। वित्तीय वर्ष 2007–2008 में माह सितम्बर 2007 तक खनिजों के अवैध उत्खनन के 371 एवं अवैध परिवहन के 2052 प्रकरण पंजीबद्ध किए जाकर अवैध उत्खनन से 16.05 लाख रू0 एवं अवैध परिवहन से 99.94 लाख रू0 के अर्थदण्ड की वसूली की गई है।

खनिज सेक्टर में निजी क्षेत्रों की भागीदारी :–

प्रदेश में खनिज अन्वेषण क्षेत्र में रिकोनेसेन्स परमिट के माध्यम से कई कम्पनियां कार्यरत है। वर्ष दिसम्बर 2007 तक प्रदेश के 20283 वर्ग कि0 मी0 क्षेत्र पर 09 राष्ट्रीय एवं बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को हीरा, सोना, चॉदी, प्लेटिनम, तॉबा, जिंक, निकल, आदि बहुमूल्य खनिजों की अत्याधुनिक तकनीक से खोज हेतु 17 रिकोनेसेस परमिट स्वीकृत किये गये है। पूर्व में जिन कम्पनियों के द्वारा कार्य किया गया उनमें से रियो टिन्टो द्वारा छतरपुर एवं पन्ना क्षेत्र में 15 किम्बरलाइट पाइप की खोज की गई है। जिसमें से 4 किम्बरलाइट पाईप में हीरे की उपस्थिति के संकेत मिले है। इसी तरह मेसर्स जियोमैसूर द्वारा सीधी, जबलपुर एवं कटनी जिले में सोना ,जिंक, कॉपर एवं निकिल पेलेडियम की खोज की गई है। इन कम्पनियों द्वारा उपयुक्त क्षेत्रों में पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति के तहत विस्तृत कार्य कर भण्डारों का आंकलन किया जावेगा। प्रदेश में गैर–परम्परागत उर्जा के स्त्रोत कोलबेड मीथेन की उपस्थति एवं भण्डार आंकलन हेतु अनूपपुर एवं शहडोल जिले में पेट्रोलियम अन्वेषण अनुज्ञापत्र स्वीकृत किये गये थे। रिलायंस इन्डस्ट्रीज लि. द्वारा किये गये कार्य के परिणाम स्वरूप 3.65 खरब घन फिट कोलबेड मीथेन के भण्डार होना बताया गया है। कम्पनी ने व्यापारिक उत्पादन शुरू करने हेतु खनिपट्टा प्राप्त करने के लिये आवेदन प्रस्तुत कर दिया है।

महिला नीति 2003–2007 :–

राज्य की महिला नीति 2003–07 के अन्तर्गत महिला समूहों को उत्खनिपट्टे प्राथमिकता के आधार पर देने के संबंध में महिलाओं की सहकारी समितियों/सहयोजन या किसी महिला को उसी क्रम के अन्य आवेदकों पर अधिमानी अधिकारी दिए गए है।

वर्ष 2003–07 में 533 महिलाओं को उत्खनिपट्टे दिए गए है। महिलाओं को व्यक्तिगत नाम से न देकर महिला समूह के नाम से भी 5 उत्खनि पट्टे दिये गये है। वित्तीय वर्ष 2007–08 में माह नवम्बर 07 तक 44 महिलाओं को उत्खनिपट्टे दिये गये। इस योजना को प्रोत्साहित एवं प्रसारित करने के लिये समस्त कलेक्टरों को निर्देशित किया गया है।

1.3 विभाग से संबंधित सामान्य व प्रमुख विशेषतायें :—

खनिज क्षेत्र में मध्यप्रदेश शासन द्वारा निजी क्षेत्र की कई कम्पनियों द्वारा एम.ओ.यू. हस्ताक्षरित किये गये है। इन कम्पनियों द्वारा प्रदेश के खनिजों के आधार पर सीमेंट संयत्र स्थापित किये जाने में अभिरूचि प्रकट की है। इसके अतिरिक्त भारत सरकार द्वारा केप्टिव कोयला नीति के अंतर्गत प्रदेश में निजी क्षेत्र के केप्टिव उपयोग हेतु 25 कोल ब्लाक घोषित किये गये थे। जिसमें से 14 कोल ब्लाक के आवंटन की कार्यवाही भारत सरकार द्वारा पूर्ण की जा चुकी है। शेष ब्लाक के आवंटन की कार्यवाही प्रगति पर है। इन कोल ब्लाक के कोयले से प्रदेश की ऊर्जा की आवश्यकता अन्य औद्योगिक उपयोग की पूर्ति होने का मार्ग प्रशस्त हो सकेगा।

1.4 महत्वपूर्ण सांख्यिकीय जानकारी :—

खनिज सम्पदा की दृष्टि से प्रदेश राष्ट्र के आठ खनिज संपन्न राज्यों में से एक है। मुख्य एवं गौण खनिज भंडारों के दोहन से वर्ष 2006—2007 में राजकोष को शीर्ष 0853 के अंतर्गत 923.91 करोड़ रूपये का खनिज राजस्व प्राप्त हुआ हैं। प्रदेश में 21 प्रकार के मुख्य खनिजों का उत्पादन वर्तमान में किया जा रहा है। हीरा उत्पादन में प्रदेश को राष्ट्र में एकाधिकार प्राप्त है। वित्तीय वर्ष 2006—2007 में स्लेट, डायस्पोर, पायरोफिलाइट, कॉपर ओर के उत्पादन में प्रदेश राष्ट्रीय परिदृश्य में प्रथम स्थान पर है। इसी तरह रॉकफास्फेट, कैलसाइट, के उत्पादन में द्वितीय स्थान तथा चूना पत्थर ,ऑकर, मैंग्नीज तथा लेटेराइट के उत्पादन में तृतीय स्थान प्राप्त है। कोयला उत्पादन में प्रदेश का स्थान राष्ट्रीय परिदृश्य में चौथा है।

वित्तीय वर्ष 2006—2007 में प्रदेश को खनिजों के सकल उत्पादन मूल्य में राष्ट्र में चौथा स्थान प्राप्त हुआ है। खनिजों के दोहन से प्राप्त होने वाली खनिज राजस्व आय का प्रदेश की राजकोषीय आय में पांचवा महत्वपूर्ण स्थान है।

वित्तीय वर्ष 2006—2007 में विभाग के लिये राजस्व आय शीर्ष 0853 के अतंर्गत निर्धारित किये गये 942.28 करोड़ रूपये के वित्तीय संशोधित लक्ष्य के विरूद्ध 923.91 करोड़ रूपये का खनिज राजस्व प्राप्त हुआ। वित्तीय वर्ष 2007—08 में माह दिसम्बर 07 तक 719.07 करोड़ रूपये का राजस्व प्राप्त हुआ है।

राज्य में उत्पादित किये गये प्रमुख खनिजों के विगत तीन वर्षो के उत्पादन एवं राजस्व प्राप्ति के आंकड़ें परिशिष्ट —''ग'' में दर्शित है।

भाग — 2

2.1 बजट विहंगावलोकन, बजट प्रावधान, लक्ष्य, व्यय (योजनावार)

खनिज साधन विभाग के अंतर्गत खनिज अन्वेषण व खनिज प्रशासन हेतु वित्तीय वर्ष 2007—2008 के लिये विभागीय बजट रु. 119031 हजार प्रावधानित किया गया है जिसमें रु. 67486 हजार आयोजना बजट एवं रु. 51545 हजार आयोजनेत्तर बजट आवंटित है।

विभागीय बजट का पिछले तीन वर्षो का योजनावार प्रावधान एवं व्यय तथा चालू वित्तीय वर्ष 2007—2008 हेतु योजनावार बजट प्रावधान निम्नानुसार हैः—

<u>विभागीय बजट की जानकारी</u>

(आंकड़े हजार रूपयों में)

विभागीय बजट अलौह धातु खनन एवं धातुकर्म उद्योग शीर्ष 2853	2004—2005		2005—2006		2006—07		2007—08
	बजट प्रावधान	व्यय	बजट प्रावधान (पुन.)	व्यय	बजट प्रावधान (पुन.)	व्यय	बजट प्रावधान
मांग संख्या 25 (क) आयोजना	63146	41372	57725	44160	60418	48692	66986
मांग संख्या 25 (क) आयोजनेत्तर	40888	38380	48914	37069	50377	40013	51545
भारित	250	219	250	21	250	14	250
अलौह धातु खनन एवं धातुकर्म पर पूंजी परिव्यय शीर्ष 4853	500	484	500	487	500	475	500
मांग संख्या—67 पी.डब्ल्यू.डी. को अंतरण क्षेत्रीय कार्यालय भवन निर्माण हेतु	-	-	-	-	-		
नवीन मुख्यालय भवन निर्माण हेतु	1000	-	1000	-	58	58	400
मांग संख्या—80 पंचायतों को अंतरण	5000	5000	0	-	-		
मांग संख्या 25 महायोग	**104534**	**80236**	**107139**	**81716**	**111295**	**89180**	**119031**
(प)	**1000**	**-**	**1000**	**-**	**58**	**58**	**400**
(पंचा)	**5000**	**5000**	**0**	**-**	**-**	**0**	**0**
भारित	**250**	**219**	**250**	**21**	**250**	**14**	**250**

विभागीय बजट अलौह धातु खनन एवं धातुकर्म उद्योग शीर्ष 2853	आयोजना 2004—2005 बजट प्रावधान	2004—2005 व्यय	2005—2006 बजट प्रावधान (पुन)	2005—2006 व्यय	2006—2007 बजट प्रावधान (पुन.)	2006—2007 व्यय	2007&08 बजट प्रावधान
मांग संख्या—25 बजट एवं व्यय योजनावार (क) उपयोजना मांग संख्या—25							
1. निर्देशन {001}	10506	5586	9801	7021	11403	9345	10168
2. अनुसंधान और विकास {004}	5454	1153	1775	1440	1733	1373	2018
3. सर्वेक्षण तथा मानचित्रण {101}	15752	11689	11716	8643	10817	9123	14886
4. खनिज अन्वेषण {102}	31034	22544	34433	27056	36465	28849	39914
5. अन्य व्यय {800}	400	400	0	0	0	0	0
मांग संख्या—25 अलौह धातु खनन एवं धातुकर्म पर पूंजी परिव्यय शीर्ष 4853							
1. अन्य व्यय {800}	500	484	500	487	500	475	500
मांग संख्या—67 पी. डब्ल्यू.डी. को अंतरण क्षेत्रीय कार्यालय भवन निर्माण हेतु	-						
नवीन मुख्यालय भवन निर्माण हेतु	1000	0	1000	-	58	58	400
मांग संख्या—80 पंचायतों को अंतरण	5000	5000	0	0	0	0	0
योग :—	**63646**	**41856**	**58225**	**44647**	**60918**	**49165**	**67486**
(प)	**1000**	**0**	**1000**	**-**	**58**	**58**	**400**
(पंचा)	**5000**	**5000**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**

टीप :— (प) पी. डब्ल्यू. डी.
(पंचा) पंचायतों को अंतरण

भाग – 3

राज्य तथा केन्द्र प्रवर्तित योजनायें

3.1 (अ) राज्य योजनायें :–

वर्ष 2007–08 में किये गये कार्य का विवरण तथा 30 नवम्बर 2007 तक की उपलब्धियाँ :

खनिज, उद्योगों हेतु एक महत्वपूर्ण कड़ी है जो कि विभिन्न उद्योगों को अनेक प्रकार के आवश्यक तत्वों को उपलब्ध कराता है। विभाग विभिन्न उद्देश्यों की पूर्ति को दृष्टिगत रखते हुए प्रदेश के अलग–अलग क्षेत्रों में खनिजों के अन्वेषण का कार्य करता है।

वित्तीय वर्ष 2007–08 में माह नवम्बर 2007 तक 2237.28 वर्ग कि.मी क्षेत्र का सर्वेक्षण/मानचित्रण 1831.45 मी. वेधन तथा 5388 मूलकों के रासायनिक विश्लेषण का कार्य किया जा चुका है।

वित्तीय वर्ष 2007–08 के दौरान माह नवम्बर 2007 तक किये गये खनिजों के सर्वेक्षण/पूर्वेक्षण कार्यों का खनिजवार विवरण निम्नानुसार है :–

1. डोलोमाइट :

देवास जिले के बागली उदयनगर क्षेत्र में डोलोमाइट खनिज हेतु कार्य निरंतर है एवं माह नवम्बर 2007 तक 113 वर्ग कि.मी. त्वरित सर्वे तथा 64.80 मी. वेधन कार्य किया जा चुका है।

वर्ष 2006–07 में जबलपुर जिले के पनागर क्षेत्र में रिठौरी के पास डोलोमाइट की गुणवत्ता ज्ञात करने हेतु कार्य प्रारम्भ किया गया था एवं अप्रैल 2007 में 45 वर्ग कि.मी. क्षेत्र का त्वरित सर्वे तथा 44.35 मी. वेधन कार्य किया जा चुका है, परन्तु इन क्षेत्रों में उत्साहवर्धक परिणामों के अभाव में आगामी कार्य वर्ष 2007–08 के दौरान स्थगित कर दिया गया है।

2. चूना पत्थर :

चूना पत्थर हेतु सतना जिले की अमरपाटन तहसील के बांदरखां, ताला क्षेत्रों में चूना पत्थर हेतु पूर्वेक्षण कार्य निरंतर है एवं माह नवम्बर 2007 तक 10 वर्ग कि. मी. त्वरित सर्वे तथा 45.50 मी. वेधन कार्य किया जा चुका है।

3. केल्साइट :

केल्साइट खनिज की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु झाबुआ जिले में केल्साइट शिराओं के सर्वे एवं सीमांकन का कार्य इस वर्ष 2006—07 में प्रारंभ किया गया था एवं माह अप्रैल 07 में 140 वर्ग कि.मी. क्षेत्र का सर्वेक्षण/मानचित्रण कार्य किया गया एवं इस क्षेत्र में कोई केल्साइट शिरा चिन्हित नहीं हुई।

4. कोयला :

विभाग द्वारा उत्पादन आधारित कायेला अन्वेषण कार्य, कोल इंडिया लिमिटेड, द्वारा पूर्वेक्षण हेतु निर्धारित दर पर, अनूपपुर जिले के गोविन्दा एवं राजनगर क्षेत्र में किया जा रहा है। माह नवम्बर 07 तक क्रमशः 731.55 मी. तथा 945.25 मी. वेधन कार्य पूर्ण किया जा चुका है। यह कार्य निरंतर है।

5. खनिज तालिका :

वर्ष 2007—08 में जिले में उपलब्ध खनिज संसाधनों की अद्यतन जानकारी प्राप्त करने हेतु प्रदेश के सतना, भिण्ड, जबलपुर, रतलाम एवं पन्ना जिलों में खनिज तालिका तैयार करने का क्षेत्रीय कार्य किया जा रहा है जिसके अंतर्गत माह नवम्बर 07 तक सतना जिले में 300 वर्ग कि.मी., जबलपुर जिले में, 178 वर्ग कि.मी., भिण्ड जिले में, 252 वर्ग कि.मी. , रतलाम जिले में 585 वर्ग कि.मी. तथा पन्ना जिले में 77.28 वर्ग कि. मी., क्षेत्र का द्रुतगामी सर्वेक्षण एवं मानचित्रण किया गया। माह अप्रैल 07 में खनिज तालिका बनाने के कार्य के तहत उज्जैन जिले में 197 वर्ग कि.मी. त्वरित सर्वे कार्य किया गया था। उज्जैन एवं मुरैना जिले की खनिज तालिका बनाने का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

वर्ष 2006—07 एवं 2007—08 के भौतिक लक्ष्य एवं उपलब्धि का विवरण

क्र.	वर्ष	सर्वेक्षण/मानचित्रण (वर्ग कि0मी0)		गढ्ढाकरण/नालीकरण (घन मी0)		वेधन (मी0)	
		लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि
1.	2006—07	12000	10425.36	60	85.47	5000	7616.03
2	2007—08 (नवम्बर 2007 तक)	12000	2237.28	60	शून्य	5000	1831.45

वर्ष 2006—07 में 5828 एवं 2007—08 में नवम्बर 07 तक 5388 रासायनिक मूलक विश्लेषित किए गए।

वित्तीय वर्ष 2006—07 में विभाग ने लगभग 315.95 करोड़ रूपये मूल्य के विभिन्न खनिज भंडारों का अनुमानित आकलन किया इन खनिज भंडारों का भविष्य में दोहन होने

पर राज्य शासन को संभावित 136.30 करोड़ रूपये का खनिज राजस्व वर्तमान में प्रभावी रायल्टी दरों पर प्राप्त होगा।

3.2 (ब) **केन्द्र प्रवर्तित योजनायें :**
केन्द्र प्रवर्तित योजनायें वर्ष के दौरान इस विभाग में संचालित नहीं की गई है ।

3.3 (स) **विश्व बैंक की सहायता से चलाई जाने वाली योजनायें :**
विश्व बैंक की सहायता से चलाई जाने वाली योजनायें वर्ष के दौरान इस विभाग में संचालित नहीं की गई है ।

3.4 (द) **विदेशी सहायता प्राप्त योजनायें/परियोजनायें :**
विदेशी सहायता प्राप्त योजनायें/परियोनायें वर्ष के दौरान इस विभाग में संचालित नहीं की गई है ।

3.5 (ई) **अन्य योजनायें :**
निरंक ।

भाग — चार

4.1 सामान्य प्रशासनिक विषय —

<u>पदोन्नतियॉ :—</u>

राज्य शासन द्वारा निर्धारित रोस्टर 2002 के तहत वर्ष 2007—08 में प्रथम श्रेणी के पद पर 2 द्वितीय श्रेणी के पद पर 6, तृतीय श्रेणी के पद पर 6 एवं चतुर्थ श्रेणी के पद पर 1 पदोन्नतियॉ की गई है।

<u>नियुक्तियॉ :—</u>

विभाग में चतुर्थ श्रेणी के पद पर 2 नियुक्ति अनारक्षित श्रेणी में की गई है।

स्थानांतरण :—

राज्य शासन द्वारा वर्ष 2007—08 के लिये स्थानांतरण घोषित नीति अनुसार व जनहित में अधिकारियों के 16 एवं कर्मचारियों 34 स्थानांतरण किये गये है।

<u>विभागीय जांच :—</u>

विभाग में 7 कर्मचारियों के विरूद्व विभागीय जांच संस्थापित है जिनमें जांच अधिकारी एवं प्रस्तुतकर्त्ता अधिकारी की नियुक्ति की जाकर कार्यवाही प्रचलित है।

न्यायालयीन प्रकरणों की स्थिति :—

वित्तीय वर्ष 2007—2008 कर्मचारियों के मामले से संबंधित 6 प्रकरण माननीय न्यायालयों में प्रस्तुत हुये ं जिनमें प्रभारी अधिकारी की नियुक्ति की जाकर जवाबदावा प्रस्तुत किये गये है।

<u>सूचना का अधिकार :—</u>

वर्ष 2007—2008 में दिसंबर 2007 तक मुख्यालय में 27 आवेदन प्राप्त हुये थे जिन पर नियमानुसार एवं निर्धारित समय सीमा में कार्यवाही की गई है।

भाग — पांच

5.1 अभिनव योजना

वित्तीय वर्ष 2007—2008 में विभागीय कार्य समीक्षा हेतु खनिज साधन विभाग के लिये निम्न बिन्दु निर्धारित किये गये हैं।

1. **खनिज संसाधनों का चिन्हांकन।**
2. **खनिज संसाधनों का दोहन।**

खनिज संसाधनों का चिन्हांकन

1. वित्तीय वर्ष 2007 —2008 में खनिज संसाधनों के चिन्हांकन के अंतर्गत प्रदेश के 12000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में द्रुतगति भौमिकीय सर्वेक्षण के माध्यम से खनिजों की खोज तथा प्रदेश के सात उन जिलों की खनिज तालिका बनायी जायेगी जो इस कार्य हेतु अभी भी शेष है। सर्वेक्षण के परिणामस्वरूप प्रकाश में आये खनिज धारित क्षेत्रों का विस्तृत पूर्वेक्षण कार्य सम्पादित किया जायेगा। पूर्वेक्षण कार्य के अंतर्गत 60 घनमीटर गड्डाकरण तथा 5000 मीटर वेधन किया जायेगा। क्षेत्रीय कार्य के दौरान एकत्र नमूनों में 4500 मूलकों का विश्लेषण किया जायेगा।

2. प्रदेश के संभावित खनिज धारित क्षेत्रों में प्रारंभिक सर्वेक्षण हेतु वित्तीय वर्ष 2007—2008 में भी हीरा तथा अन्य बहुधात्विक खनिजों की खोज हेतु रिकोनेसेन्स परमिट स्वीकृत करने का कार्य निरंतर जारी रहेगा।

खनिज संसाधनों का दोहन।

1. खनिज संसाधनों के दोहन की दिशा में खनि रियायतों की अधिकाधिक स्वीकृति एवं नयी खदानों की घोषणा पर जोर दिया जावेगा।
2. वित्तीय वर्ष 2007—2008 में राजस्व आय शीर्ष 0853 के अंतर्गत 1080 करोड़ रूपये एवं 20 करोड़ रूपये ग्रामीण सड़क अवसंरचना तथा वित्तीय वर्ष 2008—09 के लिये 1160 करोड़ रूपये का खनिज राजस्व लक्ष्य प्रस्तावित किया गया है।

3. प्रदेश में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं अवैध परिवहन की रोकथाम हेतु राज्य शासन व्दारा गठित किये गये पांच संभागीय उड़नदस्तों को आवश्यक अमले एवं वाहन सुविधा से सक्षम बनाने की योजना है ताकि खनिज राजस्व की चोरी पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित कर के राजस्व में आशातीत वृद्धि प्राप्त की जा सके। खनिज प्रशासन के अमले का सुदृढ़ीकरण के प्रस्ताव पर कार्यवाही प्रचलित है।

4. केन्द्र शासन की नीति एवं दिशा निर्देशों के अंतर्गत खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण को रोकने के लिए मध्यप्रदेश खनिज नियम (खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण का निवारण) 2006 लागू किया गया है इन नियमों के प्रभावशील होने के पश्चात खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण पर ज्यादा कारगर कार्यवाही की जा रही है।

भाग — छः

6.1 (विभाग द्वारा निकाले जा रहे प्रकाशन/प्रतिवेदन, यदि कोई हों, का उल्लेख किया जाये)

विभाग द्वारा विभिन्न खनिजों के लिए पूर्व वर्षो में किए गए सर्वेक्षण पूर्वेक्षण कार्य के आधार पर कुल 08 प्रतिवेदन तैयार किए गए हैं। इनमें से 04 अनूपपुर जिले में किए गए कोयला पूर्वेक्षण कार्य से संबंधित है तथा चार अन्य खनिजों (कैल्साइट, डोलोमाइट एवं खनिज तालिका) से संबंधित है।

भाग—सात

7.1 मध्यप्रदेश राज्य खनिज निगम से संबंधित जानकारी

(1) स्थापना :—

मध्यप्रदेश शासन, खनिज साधन विभाग के अंतर्गत कार्यरत उपक्रम दि एम.पी. स्टेट माइनिंग कारपोरेशन लि0 की स्थापना वर्ष 1962 में हुई। निगम की मुख्य कार्यकारी अधिशासी परिषद संचालक मंडल है। संचालक मंडल में अधिकतम 12 सदस्य नियुक्त किये जाने का प्रावधान है। प्रमुख कार्यकारी अधिकारी प्रबंध संचालक है।

(2) संरचना :—

मुख्य कार्यालय में प्रबंध संचालक के अधीन वरिष्ठ अधिकारी क्रमशः मुख्य कार्मिक अधिकारी, महाप्रबंधक (वित्त/लेखा) महाप्रबंधक (संचालन) कार्यरत है। मुख्य कार्मिक अधिकारी के अधीन प्रबंधक (विपणन) एवं जनसंपर्क अधिकारी, महाप्रबंधक (वित्त/लेखा) के अधीन लेखा अधिकारी तथा लेखापाल तथा उप कार्यालय में पदस्थ लेखापाल तथा महाप्रबंधक (संचालन) के अधीन मुख्य कार्यालय में सहायक भौमिकीविद्, उप कार्यालय में पदस्थ प्रबंधक (खान) प्रभारी अधिकारी/सहायक भौमिकीविद् कार्यरत है।

निगम की अधिकृत पूंजी 500.00 लाख तथा प्रदत्त पूंजी 219.59 लाख है।

(3) गतिविधियॉ :—

निगम द्वारा जिला झाबुआ उप कार्यालय मेघनगर अंतर्गत खनिज रॉकफास्फेट के उत्खनन एवं विक्रय का कार्य उप कार्यालय सागर के अंतर्गत हीरापुर से खनिज रॉकफास्फेट के उत्खनन एवं विक्रय का कार्य, उप कार्यालय टीकमगढ़ के अंतर्गत कारी खदान से डायस्पोर एवं पायरोफिलाइट के उत्खनन एवं विक्रय का कार्य, उप कार्यालय सतना के अंतर्गत नारोहिल तामर बाक्साइट खदानों से जिला रीवा अंतर्गत टीकर, जिला अनूपपुर अंतर्गत चचानडीह से खनिज बाक्साइट के उत्खनन एवं विक्रय का कार्य, उप कार्यालय बम्हनी बंजर, जिला मंडला अंतर्गत डोलोमाइट खदान से खनिज डोलोमाइट के उत्खनन एवं विक्रय का कार्य किया जाता है।

गौण खनिज रेत का उत्खनन एवं विक्रय का कार्य निगम द्वारा प्रदेश में जिला होशंगाबाद, जबलपुर, मुरैना, धार, कटनी, डबरा (जिला ग्वालियर), हरदा, देवास एवं भिण्ड में किया जाता है। गौण खनिज फर्शीपत्थर का उत्खनन एवं विक्रय का कार्य उप कार्यालय शिवपुरी के अंतर्गत किया जाता है।

निगम के दो संयुक्त क्षेत्र उपक्रमों द्वारा जिला छतरपुर अंतर्गत खनिज ग्रेनाइट के उत्खनन एवं विक्रय का कार्य तथा अन्य एक संयुक्त क्षेत्र उपक्रम द्वारा जिला सतना, रीवा, एवं अनूपपुर अंतर्गत खनिज बाक्साइट के उत्खनन एवं विक्रय का कार्य किया जा रहा है।

(4) प्रस्तावित योजनायें :—

निगम की प्रस्तावित योजनाओं में मुख्यतः संयुक्त क्षेत्र उपक्रम के अंतर्गत कोयला खनन एवं उस पर आधारित पावर जेनरेटिंग प्लान्ट की स्थापना हेतु मेसर्स एम.पी. सैनिक कोल माइनिंग प्रा.लि. नई दिल्ली तथा म.प्र. जे.पी. मिनरल्स प्रा.लि. नई दिल्ली से निगम द्वारा अनुबंध किये गये है, इसके अलावा जिला सीधी में डोगरीताल II कोल ब्लाक एवं प्रदेश के बाहर छत्तीसगढ़ राज्य के मोरगा—1, कोल ब्लाक भी निगम को भारत सरकार कोल मंत्रालय से आवंटित हुए है, जिनसे भविष्य में कोल खनन का कार्य कर उन पर आधारित विद्युत संयंत्र स्थापित किये जावेगे। निगम द्वारा नान पावर इकाईयों तथा पावर प्लान्ट हेतु प्रदेश तथा प्रदेश के बाहर कुल 18 और कोल ब्लाक्स आवंटन हेतु भारत सरकार को आवेदन पत्र प्रस्तुत किये गये है। वर्ष 2007 में भारत सरकार कोयला मंत्रालय द्वारा निगम को छह कोल ब्लॉक क्रमशः मरकीबारका, सेमरिया / पिपरिया, विचारपुर, मंडला साऊथ म.प्र. में तथा मोरगा—3 एवं मोरगा—4 छत्तीसगढ़ राज्य में आवंटित किये गये है।

(5) अमला :—

मध्यप्रदेश राज्य खनिज निगम में कार्यरत अधिकारियों / कर्मचारियों की दिनांक 01.01.2008 की स्थिति :—

प्रथम श्रेणी	— 03
द्वितीय श्रेणी	— 24
तृतीय श्रेणी	— 315
चतुर्थ श्रेणी	— 96
कुल	— 438

(6) वार्षिक टर्न ओवर एवं लाभ—हानि :—

(लाख रूपयों में)

क्र.	वर्ष	टर्न ओवर	लाभ (कर पूर्व)	हानि
(1)	2005—06(अंकेक्षित)	4755.51 (+)	2374.59	—
(2)	2006—07(अंकेक्षित)	5948.48 (+)	2160.91	—
(3)	2007—08(प्राविधिक) (सितंबर 2007 तक)	2757.98 (+)	718.02	—

मध्यप्रदेश राज्य खनिज निगम प्रदेश में मुख्य खनिजों एवं गौण खनिजों का दोहन/विपणन कार्य कर रहा है। मुख्य खनिजों में रॉकफास्फेट, डायस्पोर, पायरोफिलाईट, बाक्साइट, डोलोमाइट खनिज तथा गौण खनिज में रेत फर्शी पत्थर एवं मार्बल एवं ग्रेनाइट में कार्यरत है।

मध्यप्रदेश राज्य खनिज निगम द्वारा वर्ष 2003—04 से उसकी रेत खदानों हेतु शासन को दुगनी रायल्टी उपलब्ध करायी जा रही है। वर्ष 2006—07 के लिये निगम द्वारा रूपये 15.38 करोड़ की अतिरिक्त रायल्टी शासन को भुगतान की गई है। इस प्रकार निगम शासन को रेत पर रूपये 66/— प्रति घनमीटर उपलब्ध कराता है। वहीं निजी पट्टेदार केवल रूपये 33/— प्रति घनमीटर ही भुगतान करते है। निगम रेत पर वाणिज्य कर का भुगतान भी करता है। इसके अतिरिक्त निगम द्वारा राज्य शासन को मुख्य खनिजों पर रायल्टी पर एवं खनिज ग्रेनाइट पर स्थानीय विकास राशि का भुगतान भी किया जाता है।

(7) राज्य खनिज निगम के अंकेक्षण की स्थिति :—

राज्य खनिज निगम के लेखों का अंकेक्षण कार्य भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा नियुक्त चार्टड एकाउटेंट्स एवं उनके स्वयं के द्वारा किया जाता है। निगम के वर्ष 2005—06 तक के लेखों का वार्षिक प्रतिवेदन विधान सभा में प्रस्तुत कर दिया गया है।

भाग—आठ

8.1 (सारांश)

राष्ट्र की अर्थव्यवस्था एवं औद्योगिक प्रगति में खनिजों की भूमिका महत्वपूर्ण है । राष्ट्र के हृदय स्थल में बसा मध्यप्रदेश खनिज सम्पदा से परिपूर्ण है। प्रकृति प्रदत्त खनिजों के अन्वेषण, दोहन एवं विकास हेतु खनिज साधन विभाग सतत प्रयत्नशील है। इस विभाग के अतंर्गत संचालनालय भौमिकी तथा खनिकर्म, मध्यप्रदेश,का मुख्यालय भोपाल में कार्यरत है। विभागीय उद्देश्यों की पूर्ति हेतु चार क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से खनिज सर्वेक्षणों को नई दिशा दी जा रही है। खनिज प्रशासन का कार्य प्रदेश के 48 जिला कार्यालयों तथा हीरा कार्यालय पन्ना में पदस्थ खनिज अमले व्दारा सम्पादित किया जा रहा है।

वित्तीय वर्ष 2006—2007 में मध्यप्रदेश मे 6700.00 (पेट्रोलियम तथा प्राकतिक गैस को छोड़कर) करोड़ रूपये मूल्य के खनिजों का उत्पादन हुआ जिसके फलस्वरूप 923.91 करोड़ रूपये का खनिज राजस्व प्राप्त हुआ। वित्तीय वर्ष 2007—2008 में 7500.00 करोड़ रूपये मूल्य का खनिज उत्पादन होने की संभावना है।

परिशिष्ट – क

1 जनवरी 2008 की स्थिति में मध्यप्रदेश में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों का विवरण निम्नानुसार है :–

श्रेणी	स्वीकृत पद	कार्यरत					कुल कार्यरत
		मुख्य कार्यालय	क्षेत्रीय कार्यालय	हीरा कार्यालय	जिला कार्यालय	अन्य विभागों में प्रतिनियुक्ति पर	
राजपत्रित							
प्रथम श्रेणी	39	14	11	0	7	1	33
द्वितीय श्रेणी	72	12	17	1	22	0	52
अराजपत्रित							
तृतीय श्रेणी अलिपिक वर्गीय	260	17	50	2	111	—	180
लिपिक वर्गीय	143	25	18	2	77	—	122
चतुर्थ श्रेणी	134	19	28	23	48	—	118
नैमेत्तिक	49	12	18	2	14	—	46
योगः—	**697**	**99**	**142**	**30**	**279**	**1**	**551**

परिशिष्ट ''ख'' एक

वर्ष 2002—2003 से 2006—2007 के लिये भौतिक लक्ष्य तथा उपलब्धि विवरण :—

क्र.	वर्ष	सर्वेक्षण / मानचित्रण (वर्ग कि0मी0)		गढ्ढाकरण / नालीकरण (घन मी0)		वेधन (मी0)	
		लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि
1.	2002—03	9500	11840.39	40	50	5000	5202.7
2.	2003—04	9500	10611.44	70	62	5000	5178
3.	2004—05	12000	13415.97	60	60	5000	6031.11
4.	2005—06	12000	15119.08	60	शून्य	5000	6468.11
5.	2006—07	12000	10425.36	60	85.47	5000	7616.03

नोट— उपरोक्त वर्षो में क्रमशः 3968 ,5178 ,6106, 7030 और 5828 रासायनिक मूलक विश्लेषित किए गए।

परिशिष्ट ''ख'' दो

सर्वेक्षण सत्र 2006—07 में मध्यप्रदेश में डोलोमाइट के 19.44 मिलियन टन, कैल्साइट के 91349 टन एवं मिश्रित श्रेणी चूनापत्थर के 10.82 मिलियन टन भण्डार अनुमानित किये गये हैं । कोल इंडिया लिमिटेड हेतु अनुबंध के आधार पर विभाग द्वारा कोयला पूर्वेक्षण का कार्य संपादित किया जा रहा है ।

वर्ष 2002—03 से वर्ष 2006—07 तक निम्नानुसार उपलब्धियाँ दर्ज की गईः—

क्र.	वर्ष	खनिज का नाम	जिला	भण्डारों का आकलन (अनुमानित भण्डार)
1.	2002—03	1. डोलोमाइट 2. केलसाइट 3. डोलेमाइट/ डोलोमेटिक लाइमस्टोन/ मार्बल (कटिंग/पॉलिशिंग) 4. सीमेन्ट श्रेणी/मिश्रित श्रेणी चूना पत्थर	देवास, हरदा खरगौन कटनी दमोह, पन्ना	60 एवं 12 मिलियन टन 31895 टन 1839 मिलियन टन 90 मिलियन टन
2.	2003—04	1.डोलोमाइट 2. केलसाइट 3. सीमेन्ट श्रेणी/मिश्रित श्रेणी चूना पत्थर 4. खनिज तालिका चूनापत्थर,फ्लेग स्टोन, गेरू	देवास, हरदा, बुरहानपुर दमोह, पन्ना श्योपुरकंला	20 एवं 10 मिलियन टन 13006 टन 4.76 मिलियन टन 1.66 मिलियन टन 110250 घन मीटर 93750 टन
3.	2004—05	1. डोलोमाइट 2. केलसाइट 3. सीमेन्ट श्रेणी/मिश्रित श्रेणी चूना पत्थर 4. खनिज तालिका बाक्साइट रेड ऑकर क्ले	देवास, हरदा* बुरहानपुर पन्ना दमोह कटनी	20 एवं 13.95 मिलियन टन 2510 टन 24 मिलियन टन 16 मिलियन टन 0.749 मिलियन टन 23.039 मिलियन टन
4.	2005—06	1.डोलोमाइट 2. केलसाइट 3. मिश्रितसीमेन्ट श्रेणी चूना पत्थर 4.चूना पत्थर	देवास, हरदा बुरहानपुर सतना(पगरा) झाबुआ(डाबरी—खारी क्षेत्र)	41.37मि0टन 18.25मि0 टन 762 टन 12.72 मि0टन 19.19मि0टन
5.	2006—07	1.डोलोमाइट 2. केलसाइट 3.चूना पत्थर	देवास, झाबुआ मुरैना	19.44 मि0टन 91349 टन 10.82 मि0 टन

परिशिष्ट —''ग''

मध्यप्रदेश के 48 जिलों में 3 वर्षो का खनिजवार उत्पादन एवं राजस्व प्राप्ति का विवरण

क्र.	खनिज	उत्पादन (लाख टन में)			राजस्व प्राप्ति (करोड़ रूपयों में)		
		2004—05	2005—06	2006—07	2004—05	2005—06	2006—07
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**
1.	कोयला	526.83	540.00	595.00	533.95	569.09	609.06
2	चूना पत्थर	249.38	258.65	262.00	119.95	131.03	145.55
3	ताम्र अयस्क	20.54	17.06	22.70	9.20	10.14	22.50
4	मैग्नीज अयस्क	4.47	4.07	4.78	4.17	4.74	5.43
5	हीरा (कैरेट में)	0.78	0.44	2180	4.18	4.53	1.52
6	डोलोमाइट	1.28	1.16	2.40	1.03	1.04	1.10
7	बॉक्साइट	1.86	0.87	1.90	1.26	1.05	1.52
8	रॉक—फास्फेट	0.87	1.80	1.15	0.65	0.76	0.44
9	डायस्पोर/पायरोफिलाइट	2.06	1.58	1.16	0.80	0.56	0.50
10	फायरक्ले	0.59	0.59	0.40	0.52	0.36	0.37
11	लेटेराइट	0.76	0.76	0.75	0.40	0.27	0.52
12	कैलसाइट	0.15	—	0.01	0.02	0.01	0.26
13	स्लेट	0.04	0.02	0.03	0.01	0.02	—
14	केओलीन	0.15	0.12	0.09	0.03	0.04	0.06
15	गेरू	0.23	0.19	0.19	0.02	0.04	0.09
16	अन्य मुख्य खनिज	2.11	02.18	1.38	6.33	3.22	6.99
योग मुख्य खनिज		**811.32**	**829.85**	**893.94**	**682.52**	**726.90**	**795.91**
योग गौण खनिज 0853		**249.16**	**390.73**	**435.28**	**51.20**	**92.48**	**128.00**
योग शीर्ष 0853		**1061.48**	**1220.58**	**1329.22**	**733.72**	**819.38**	**923.91**
योग गौण खनिज 006		**74.07**	—	—	**15.22**	—	—
महायोग		**1134.55**	**1220.58**	**1329.22**	**748.94**	**819.38**	**923.91**

टीप :— महायोग में हीरा का उत्पादन शामिल नहीं है।